वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 07 शुक्रवार 2 मई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में सड़कों की क्वालिटी जांचने के लिए निकाली यात्रा

24 जिलों में 2224 डीएलपी सड़कों की टेस्टिंग की; खराब मिलने पर इंजीनियर, ठेकेदारों को लिखा पत्र

जयपुर. कासं। राजस्थान में सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के जरिए बनवाई गई सड़कें जो अभी डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड (डीएलपी) में है। उन सड़कों की क्वालिटी जांच के लिए एक यात्रा निकाली गई, जिसमें अब तक 24 जिलों की 2224 सड़कों की टेस्टिंग की गई। इन सड़कों की लंबाई करीब 11 हजार 200 किलोमीटर की है। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के निर्देश पर शुरू हुई ये यात्रा 30 मार्च को गंगानगर जिले से की गई, जिसे सड़क गुणवत्ता निरीक्षण यात्रा (सगुनि) नाम दिया है। गंगानगर में इस यात्रा के दौरान 325 किमी लंबाई की कुल 38 अलग-अलग सड़कों की क्वालिटी जांच की गई। इन सड़कों में क्वालिटी खराब मिली, उसे ठीक करवाने के लिए संबंधित पीडब्ल्यूडी इंजीनियर और सड़क बनाने वाले ठेकेदार को पत्र लिखा गया। इस यात्रा के नोडल ऑफिसर मुख्य अभियंता गुणवत्ता नियंत्रण जसवंत खत्री ने बताया- इस यात्रा का मुख्य उदेश्य लोगों में जागरूकता लाना और सड़कों की क्वालिटी की जांच करना है, ताकि डीएलपी की सड़कों में कोई क्वालिटी संबंधित समस्या है तो उसे ठीक किया जा सके।

पॉलिटेक्निक कॉलेज के स्टूडेंट को किया शामिल

चीफ इंजीनियर जसवंत खत्री ने बताया- इस अभियान में हमने हर जिले के पॉलिटेक्निक कॉलेज के स्टूडेंट्स को शामिल किया है। ताकि वे इस काम को सीख सके और निष्पक्षता के साथ जांच की जा सके। इसके लिए हमने पहले अलग-अलग जिलों में कॉलेज के बच्चों का चयन किया और उनको ट्रेनिंग दी। इसके बाद जैसे-जैसे हमारी यात्रा जिलों में जा रही है, वहां सलेक्ट किए इन स्टूडेंट को जांच के लिए फील्ड में भेजा जा रहा है।

इंडिया बुक में दर्ज

पीडब्ल्यूडी की ओर से चलाए गए इस अभियान को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया है। आज जयपुर के राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज सभागार में आयोजित कार्यक्रम में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के पदाधिकारियों ने इसका सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह भी दिया।

राजस्थान का पहनावा मर्यादित होने के साथ ही संस्कृति की पहचान

बाहर का पहनावा मत अपनाना: प्रदीप मिश्रा

जयपुर. कासं

विद्याधर नगर स्टेडियम में गुरुवार से सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का शुभारंभ हुआ। कथा सुनने के लिए पहले दिन ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। कथा सुनने के लिए सबसे ज्यादा महिलाएं आई। कथा स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का जमावड़ा जुटने लग गया। दोपहर 12 बजे ही सभी पांडाल कथा सुनने वालों से भर गए। तेज धूप व भारी भीड़ के बावजूद भी लोग कथा स्थल पहुंचने के लिए जुटे रहे लगे। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने कथा स्थल से आधा किमी पहले रोकना शुरू कर दिया। इधर-उधर गलियों में से होते हुए लोग कथा स्थल के बाहर तो पहुंच गए, लेकिन अंदर जगह नहीं होने के कारण उनको बाहर ही रोक दिया गया। विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति की ओर से कथा का आयोजन करवाया जा रहा है। वहीं, पंडित प्रदीप मिश्रा कथा सुना रहे हैं। 7 मई तक रोज दोपहर 1 से शाम 4 बजे कथा का आयोजन होगा।

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे भी पहुंचीं कथा स्थल

कथा के दौरान राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी कथा स्थल पहुंची। इस दौरान मंच से वसुंधरा बोली- महाराज जहां भी जाते हैं, भीड़ में कोई कमी नहीं आती। साथ ही उन्होंने कहा कि आज तक शिव महापुराण का महत्व किसी ने नहीं बताया। मैंने खुद गीता प्रेस से शिवपुराण लाकर इसके बारे में जानने की कोशिश की है। जयपुर वासियों का यह सौभाग्य है कि शिवमहापुराण की कथा आपके माध्यम से सुनाई जा रही है। आयोजन समिति के संयोजक राजन शर्मा एवं अनिल संत ने बताया कि श्रद्धालुओं की संख्या के आगे पांडाल छोटा पड़ गया। अगले दिन की कथा के लिए दो जगहों पर और पांडाल बनाकर वहां 50 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा रही है।

इस दौरान कई मरीजों को परिजन व्हीलचेयर पर लेकर पहुंचे।

शिव-सती प्रसंग सुनाया, बेटियों को मर्यादित वस्त्र पहनने की दी सलाह

कथा का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार व गणेश पूजन के साथ हुआ। पंडित प्रदीप मिश्रा ने पहले दिन शिव और सती की कथा सुनाई। उन्होंने कथा के माध्यम से शिव भक्ति, संयम और सेवा का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रावण को भी मंदोदरी ने शंकर भगवान की आराधना का प्रसंग सुनाया था। मंदोदरी ने रावण से भगवान शिव को कुछ भेंट देने की बात कही। इस पर रावण ने मंदोदरी से कहा- देवताओं को वस्तु की चाह हो सकती है, लेकिन महादेव को तो केवल दिल की चाह होती है। अगर कोई परेशान व्यक्ति मंदिर के आगे से गुजरे और महादेव का नाम ले भी लेवें तो भोले भंडारी प्रसन्न हो जाते हैं। कथा से पहले निकली ऐतिहासिक कलश यात्रा को लेकर प्रदीप मिश्रा ने कहा-जयपुर में कथा से पहले जो कलश यात्रा निकली ऐसी कलश यात्रा राजस्थान में पहली बार निकली है, जिसमें हमारे राजस्थान की माताएं-बहनें मयार्दा पूर्ण वस्त्र पहनकर शामिल हुई। मैं बेटियों को कहना चाहूंगा कि आप अपने पहनावे का बहुत ध्यान रखें। आप कितने भी बड़े हो जाएं, विकासशील हो जाएं, लेकिन आप बाहर की सभ्यता और बाहर का पहनावा इस राजस्थान में मत लेकर आना। राजस्थान का पहनावा अपने आप में अलौकिक है। यहां का पहनावा तो वो पहनावा है जिसे पार्वतीजी व शिवजी ने भी धारण किया था। ईसर और गौरा के रूप में जब शिवमहापुराण का यजमान बने थे तो माता पार्वती ने सोलह श्रृंगार किया था।

|| श्री मुनिसुव्रतनाथाय नमः || || श्री वासुपूज्य जिनेन्द्राय नमः ||

श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर

26, शिव वाटिका, माँग्यावास, मानसरोवर, जयपुर

श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ भगवान

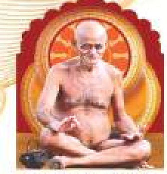
प.पू. संत शिरोमणी आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महाराज

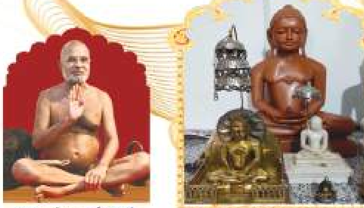
प.पू. राष्ट्रसंत गणाचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज

श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब वेदी प्रतिष्ठा

कार्यक्रम स्थल
चौपड़ा पैराडाईज, माँग्यावास, मानसरोवर, जयपुर

भव्य रथयात्रा, जाप्यानुष्ठान एवं विश्व शांति महानुष्ठान

शुक्रवार, 2 मई से रविवार, 4 मई 2025

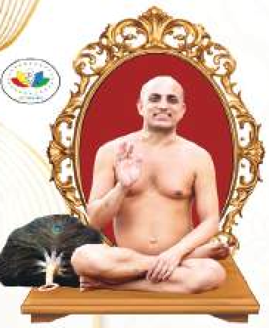
अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी, अर्ह ध्यान योगप्रणेता,
मुनि श्री 108 प्रणम्यसागर जी महाराज

प्रतिष्ठाचार्य

पं. श्री विमल कुमार जी बनेठा
जयपुर

वास्तु विद

श्री राजकुमार जी कोठ्यारी
जयपुर

श्रमणी गणिनी आर्यिकारत्न 105
गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

भारत गौरव

वात्सल्य आमंत्रण

धर्मानुरागी बन्धुवर,
सादर जयजिनेन्द्र !

जयपुर-मानसरोवर की एकदम भव्य कॉलोनी-मांग्यावास में वृहद श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सुस्थापित है। जहां नव निर्मित 4 वेदियों की प्रतिष्ठा समारोह विधि विधानपूर्वक प्रतिष्ठाचार्य पं. श्री विमल कुमार जी जैन बनेठा, जयपुर के निर्देशन में सम्पादित की जा रही है।

अतः आपसे अनुरोध है कि प्रभावनापूर्वक आयोजित होने वाले इस समारोह में सभी जन अवश्य पधारें।

सभी आगन्तुक महानुभावों व सम्भागियों के लिए भोजन की व्यवस्था रहेगी।

समारोह की क्षणिकायें

शुक्रवार, 2 मई 2025

प्रातः 6.15 बजे	-	जिनेन्द्र अर्चना, अभिषेक, शांतिधारा, आचार्य निमंत्रण
प्रातः 7.15 बजे	-	ध्वजारोहण (मंदिर में)
प्रातः 8.00 बजे	-	भव्य रथयात्रा, मंगल घटयात्रा (मंदिर जी से विधान मंडप तक)
प्रातः 9.15 बजे	-	ध्वजारोहण (विधान मंडप पर) मंडप शुद्धि, मंडप उद्घाटन चित्र अनावरण, मंगल कलश स्थापना, दीप प्रज्ज्वलन आदि
प्रातः 10.00 बजे	-	वेदी शुद्धि-संस्कार, वास्तु विधि जाप्यानुष्ठान (मंदिरजी में)
मध्याह्न 1.00 बजे	-	सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मंडप प्रतिष्ठा एवं वासुपूज्य विधान पूजन
सायं 7.15 बजे	-	आरती, शास्त्र सभा
सायं 8.15 बजे	-	सांस्कृतिक कार्यक्रम- इन्द्र दरबार, प्रश्नोत्तर-तत्त्वचर्चा आदि

शनिवार, 3 मई 2025

प्रातः 6.15 बजे	-	जिनाभिषेक-शांतिधारा, जाप्यानुष्ठान, नित्यमह पूजन
मध्याह्न 1.15 बजे	-	यागमंडल विधान पूजन
सायं 7.15 बजे	-	आरती-शास्त्र सभा
सायं 8.15 बजे	-	सांस्कृतिक कार्यक्रम- इन्द्र दरबार

रविवार, 4 मई 2025

प्रातः 6.15 बजे से	-	जिनाभिषेक-शांतिधारा, सभी जिन बिम्बों का मस्तकाभिषेक, नित्यमह व विनायक यंत्र पूजन, जाप्यानुष्ठान का समापन, विश्व शांति यज्ञ (हवन शांति), आभार प्रदर्शन एवं नवीन वेदियों में जिन बिम्ब विराजमान

संगीतकार: श्री पुखराज एण्ड पार्टी, कोटा
कलाकार: सुभाष एण्ड पार्टी, महुआ (दौसा)

सौधर्म इन्द्र

श्री सुधीर जी-नवीता जी गोधा (लाम्बाखु वाले)

धनपति कुबेर

श्री दीपक जी-निधि जी पाटनी

महायज्ञनायक

श्री मनोज जी-अंजू जी गोधा

ईशान इन्द्र

श्री सुशील कुमार जी-अलका जी काला

सानत इन्द्र

श्री अजीत जी-मीनू जी पाटनी

माहेन्द्र इन्द्र

श्री सुधीर जी-राज जी बाकलीवाल

ब्रह्म इन्द्र

श्री निर्मल जी-किर्ति जी लिखारा

ब्रह्मोत्तर इन्द्र

श्री जिनेन्द्र जी-आशिमा जी जैन पाण्ड्या

लान्तव इन्द्र

श्री पदम जी-उषा जी अजमेरा

कापिष्ठ इन्द्र

श्री कमल किशोर जी-अनीता जी काला

शुक्र इन्द्र

श्री अमन जी-आदिता जी गंगवाल

महाशुक्र इन्द्र

श्री आयुष जी-रिया जी पापड़ीवाल

विशिष्ट अतिथि

श्री अशोक कुमार जी चाँदवाड़

ध्वजारोहणकर्ता

श्री विनोद जी-निशा जी बड़जात्या अजमेर वाले

वेदी एवं मूर्ति पुण्यार्जक

श्री महेन्द्र जी भौंच परिवार
(ए-29, कृष्णा नगर, लालकोठी)

श्री प्रेमचन्द जी, प्रमोद जी, मनोज जी गंगवाल
ईंडरी परिवार

व्रती श्री धर्मचंद जी, विनोद जी, नीरज जी
महक जी जैन बाकलीवाल परिवार

श्री कैलाश जी, ज्ञाना देवी
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार जी, लाजवंती देवी जैन परिवार

चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलनकर्ता

श्री धनकुमार जी-सीमा जी कासलीवाल
समस्त परिवार

मंडप उद्घाटनकर्ता

श्री जयप्रकाश जी-निर्मला जी जैन निवाई वाले

मूर्ति पुण्यार्जक

श्री रमेश जी-शोभा जी बोहरा परिवार

श्री महेन्द्र जी भौंच परिवार

श्रीमती स्नेह जी, विकास जी काला परिवार

श्री अशोक कुमार जी-विमला जी विलाला परिवार

श्री अशोक जी चांदवाड़ परिवार

श्री ललित जी दीपक जी जैन परिवार

श्री शांतिलाल जी-रेणु जी काला परिवार

श्री निर्मल जी-अंजनी जी जैन परिवार

श्री जयप्रकाश जी-निर्मला जी जैन परिवार

श्री सुशील जी-रेणु जी बाकलीवाल परिवार

श्रीमती मैना जी-धीरज जी जैन परिवार

श्री निर्मल कुमार जी-सुशीला जी सेठी परिवार (सोरा वाले)

अष्ट कुमारियाँ

वर्षिका जैन, सान्वी जैन, हीरांशी जैन, रिया जैन, एकान्तिका जैन, गितांशी जैन, संजोली जैन, अनाया जैन

रथयात्रा व्यवस्थापक: जयप्रकाश जी जैन, राजेन्द्र जी सेठी, अनूप जी बिलाला, नरेन्द्र जी छाबड़ा
भोजनशाला व्यवस्थापक: कमल जी लुहाड़िया, पदम जी पाटनी, मनोज जी बड़जात्या, दीपचन्द जी जैन
पूजन व्यवस्थापक: विकास जी भौंच, सरला जी जैन, राहुल जी गंगवाल
वाहन व्यवस्थापक: दिनेश जी बिलाला, नीरज जी सोगानी, आशीष जी बैनाड़ा, जिनेन्द्र जी लुहाड़िया
सांस्कृतिक कार्यक्रम व्यवस्थापक: निलिमा जी सेठी, ज्योति जी जैन, आभा जी जैन, रश्मी जी पाटनी, पूजा जी भौंच

श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबन्ध समिति - 26, शिव वाटिका, माँग्यावास, मानसरोवर, जयपुर

प्रकाशचन्द जैन	सुधीर कुमार जैन	प्रदीप कुमार जैन	नीरज कुमार जैन	विमल कुमार जैन	महेश दोशी	संजय जैन	दिनेश कुमार गंगवाल
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	मंदिर व्यवस्थापक	सहमंत्री	सांस्कृतिक मंत्री	संगठन मंत्री	मंत्री
9829058946	9414034008	9653789711	9351469496	9829471395	9672042670	8269983479	9829082283

कार्यकारिणी सदस्यगण

राजेन्द्र कुमार जैन	अशोक पापड़ीवाल	भूपेन्द्र जैन	दीपचन्द जैन	मनोज जैन	सतीश कुमार जैन	अनिल बड़जात्या
9799204032	9309289692	9414238256	9680567232	6377147237	7568012345	9314063497

महत्वपूर्ण सदस्य: शकुन्तला जी अजमेरा, जिनेन्द्र जी गंगवाल, आशीष जी बैनाड़ा

श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन महिला मण्डल
26, शिव वाटिका, माँग्यावास, मानसरोवर, जयपुर

अध्यक्ष	मंत्री	कोषाध्यक्ष
श्रीमती अनिता सेठी	श्रीमती प्रमिला गोधा	श्रीमती मनीषा बाकलीवाल
7014912130	7073216020	9462822965

निवेदक-सकल दिगम्बर जैन समाज, माँग्यावास

नोट : कार्यक्रम में पधारे सभी साधर्मी बन्धुओं के लिए भोजन की व्यवस्था रखी गई है।

देव-शास्त्र-गुरु का विनय करते हुए पत्रिका को पढ़कर अपने समीपस्थ जिनालय में उचित स्थान पर रखावें।

मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) जयपुर मो. 9829050791

चतुर्थ श्रेणी एवं सफाई कर्मचारियों का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

पद्मावती पब्लिक स्कूल, मानसरोवर के नन्हे मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी ओर सफाई कर्मचारियों का तिलक ओर ग्रीटिंग कार्ड देकर सम्मानित किया। विद्यालय के छात्रों को अध्यापकों द्वारा चतुर्थ श्रेणी ओर सफाई कर्मचारियों के बारे में बताया कि ये सभी किस प्रकार हमेशा आपके लिए कार्य करते है। ओर सभी विद्यार्थियों ने उन सभी का खड़े होकर अभिवादन किया और उन्हें सम्मान देकर अभिभूत किया। सभी कर्मचारियों ने शपथ ली कि हम सभी विद्यालय के विद्यार्थियों का हमेशा ध्यान रखेंगे और उनकी देखभाल करेंगे।

लायन मास्टर्स शेफ कंपटीशन का आयोजन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर की ओर से लायन मास्टर्स शेफ कंपटीशन का आयोजन किया गया जिसमें क्लब की मातृशक्ति ने अपनी पाक कला का प्रदर्शन किया। सभी महिला प्रतियोगियों ने बहुत मेहनत के साथ स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर सुंदर तरीके से पेश किये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं जज शेफ राजीव शर्मा थे। कार्यक्रम के संयोजक अजय सक्सेना ने बताया की शेफ ने सभी प्रतियोगियों के व्यंजनों का रसास्वादन कर पूनम विकास भाटिया को विजेता घोषित किया। द्वितीय पुरस्कार अंजू प्रकाश जैन को दिया गया। मुख्य अतिथि एवं क्लब की अध्यक्ष ऋचा खेमका ने सभी प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया। क्लब की सचिव हेमा पारीक व आरती माहेश्वरी ने मातृशक्ति के इस सुंदर एवं शानदार आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इंदिरा गांधी नगर, ब्राह्मण समाज, द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम दो चरणों में मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

नर सेवा ही नारायण सेवा है, के भाव को ध्यान में रखते हुए राहगीरों को भीषण गर्मी से राहत प्रदान करने एवं सर्व समाज को लाभान्वित करने वाले कार्यक्रमों का चरणबद्ध आयोजन ब्राह्मण समाज, इंदिरा गांधी नगर के सदस्यों द्वारा किया गया। दिनांक 29/04/2025, सुबह शर्बत वितरण का आयोजन (स्थान - 3टु शॉपिंग सेंटर, हाइटेंशन लाइन के नीचे मैन रोड) किया गया। दिनांक 30/04/2025, (शॉपिंग सेंटर, सेक्टर 5, सर्विस रोड, समृद्धि फूड्स, आपनो ठिकाना) मिल्क रोज वितरण किया गया। इस अवसर पर डा अशोक दुबे, डा नरेश शर्मा, डा सुरेंद्र शर्मा, हितेंद्र भारद्वाज, संदीप शर्मा, कपिल पचौरी, नीतेश शर्मा, मनीष शर्मा, अमित मिश्रा, दीपक, पुनीत, द्वारा सेवा कार्य में सहयोग किया गया।

घर-घर परशुराम, हर घर परशुराम अभियान का शुभारंभ राजभवन में हुआ

भगवान परशुराम जी के चित्र सभी समाज में बांटेंगे

जयपुर. शाबाश इंडिया

सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव के तहत चलाए जा रहे पखवाड़े के अंतर्गत, राजभवन में ''घर-घर परशुराम, हर घर परशुराम'' अभियान का शुभारंभ हुआ। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे जी ने भगवान परशुराम जी के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्हें भगवान परशुराम का प्रतीक 'फरसा' और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम केवल एक पराक्रमी योद्धा ही नहीं, बल्कि समाज में सत्य, धर्म और न्याय की स्थापना करने वाले युगपुरुष थे। उनका जीवन दशार्ता है कि जब समाज में अन्याय बढ़ता है, तब एक धर्मनिष्ठ व्यक्ति कैसे परिवर्तन का वाहक बन सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान परशुराम जी ने अधर्म के विरुद्ध जो संघर्ष किया, वह आज के युग में भी प्रासंगिक और प्रेरणादायी है। सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने कहा कि भगवान परशुराम ने सदैव समाज को जोड़ने और सनातन मूल्यों की स्थापना का कार्य किया। वे मातृभक्ति, पितृसेवा और धर्मनिष्ठा के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें आत्मबल, त्याग और समाज सेवा की प्रेरणा देता है। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान परशुराम केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि वे सनातन संस्कृति के संरक्षक भी थे जिन्होंने शस्त्र और शास्त्र दोनों में समर्पण के साथ जीवन जिया ! इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं। उनका जन्म त्रेता युग में भृगु वंश में महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के घर हुआ था। भगवान शिव से उन्हें फरसा प्राप्त हुआ, जो उनका मुख्य अस्त्र बना। उन्होंने आततायियों का संहार किया। वे चिरंजीवी हैं ! और आज भी तपस्या में लीन रहकर लोककल्याण हेतु कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर संरक्षक सर्व ब्राह्मण महासभा एडवोकेट एच. सी. गणेशिया, गोविंद पारिक, नरवर आश्रम सेवा समिति के महामंत्री बी. एम. शर्मा, दिनेश शर्मा, युवा अध्यक्ष गब्बर कटारा, ज्योतिषाचार्य पंडित पुरुषोत्तम गोड़, पंडित मुकेश भारद्वाज, सर्व ब्राह्मण महासभा के युवा प्रदेश अधक्ष्य गब्बर कटारा, महासभा विधि प्रकोष्ठ के प्रमुख अधिवक्ता कमलेश शर्मा, जयपुर मैराथन के सीईओ मुकेश मिश्रा, राजस्थान ओलंपिक संघ की मुख्य कार्यकारी अधिकारी नीलम मिश्रा सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण बंधु उपस्थित रहे।

वेद ज्ञान

जीवन के आयाम

मानव का समस्त ज्ञान अनुभव से उत्पन्न होता है। अनुभव के अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार से हम कुछ भी नहीं जान सकते। यही वजह है कि आम जीवन में भी व्यक्ति के अनुभव को वरीयता दी जाती है। विज्ञान भी मानता है कि जगत में किसी भी पदार्थ का नाश नहीं होता। इस प्रकार अभिव्यक्तियों की एक ही शृंखला चक्र की भांति बार-बार हमारे समक्ष उपस्थित होती रहती है। विविध ब्रह्मांड सूक्ष्मगत रूपों में प्रस्तुत हो रहे हैं। स्थूल रूप धारण कर रहे हैं, फिर लीन होकर सूक्ष्म भाव में जा रहे हैं। वे फिर से इस सूक्ष्म भाव से स्थूल भाव में आते हैं। कुछ समय तक उसी अवस्था में रहते हैं और फिर धीरे-धीरे पूर्व स्थिति में चले जाते हैं। जीवन के संबंध में भी यही सत्य है। दरअसल मन के साथ मस्तिष्क का विशेष संबंध है और शरीर का विनाश हो जाने पर वह नष्ट हो जाता है। आत्मा ही एकमात्र प्रकाशक है। इसलिए उसके हाथ यंत्र के समान हैं और इस यंत्र के माध्यम से आत्मा बा साधन पर अधिकार जमा लेती है। इसी प्रकार प्रत्यक्ष बोध होता है। मस्तिष्क के इन सब केंद्रों को इंद्रियां कहते हैं। ये इंद्रियां इन यंत्रों को लेकर मन को अर्पित कर देती हैं। इसके बाद मन इन्हें बुद्धि के निकट लाता है फिर बुद्धि इन्हें अपने सिंहासन पर विराजमान महिमाशाली आत्मा को प्रदान करती है। आखिर में आत्मा इन्हें देखती है और फिर आवश्यक आदेश देती है। तत्पश्चात मन इन मस्तिष्क केंद्रों यानी इंद्रियों पर कार्य करता है और फिर इंद्रियां स्थूल शरीर पर कार्य करना आरंभ कर देती हैं। मनुष्य की आत्मा ही इन सबकी वास्तविक अनुभवकर्ता, सृष्टा और सब कुछ है। अब सवाल यह उठता है मृत्यु क्या है? दरअसल अभिव्यक्ति के एक रूप विशेष को हम जीवन कहते हैं और उसी के दूसरे रूप विशेष को मृत्यु। सभी यौगिक पदार्थ नियमों से संचालित होते हैं। नियम के परे यदि कोई वस्तु हो तो वह कदापि यौगिक नहीं हो सकती। चूंकि मनुष्य की आत्मा कार्य, कारण और वाद से परे है, इसलिए वह यौगिक नहीं है। यह सदा मुक्त है और नियमों के अंतर्गत सभी वस्तुओं का नियमन करती है। उसका कभी विनाश नहीं हो सकता। ऐसा इसलिए, क्योंकि विनाश का अर्थ है किसी यौगिक पदार्थ का अपने उपादानों में परिणत हो जाना। जीवन की समस्या की वास्तविक मीमांसा यही है।

संपादकीय

निर्णायक कार्यवाही का समय

पहलगाम हमले को एक हफ्ते से अधिक समय गुजर चुका। इसे लेकर लोगों का गुस्सा अभी शांत नहीं हुआ है। हालांकि आतंकवाद और उसे पोसने वाले पाकिस्तान पर नकेल कसने के लिए सरकार ने कई कड़े कदम उठाए हैं। घाटी में सुरक्षा इंतजाम बढ़ा दिए गए हैं। सुरक्षा बलों को जवाबी कार्रवाई की खुली छूट दे दी गई है। जम्मू-कश्मीर सरकार भी सुरक्षा को लेकर सतर्क है। उसने पचास पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया है, और ऐसे स्थलों की पहचान की जा रही है, जहां सैलानियों के लिए खतरा हो सकता है। मगर, फिर भी जन-दबाव बना हुआ है कि पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त निर्णय करने का वक्त है। मगर सरकार कोई भी कदम हड़बड़ी या उत्तेजना में नहीं उठाना चाहती है। सुरक्षा एजेंसियों, सेना प्रमुखों और रणनीतिकारों के साथ लगातार बैठकों का दौर चल रहा है। सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति की बैठकें हो चुकी हैं। सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार परिषद को पुनर्गठित कर दिया है। इसलिए पाकिस्तान को आशंका है कि भारत उस पर कभी भी हमला कर सकता है। मगर भारत सरकार इसे लेकर सावधानी बरत रही है, तो उसकी वजहें भी समझी जा सकती हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के पीछे पाकिस्तान का हाथ है, उसे कड़ा सबक सिखाया ही जाना चाहिए, मगर इसका तरीका क्या हो, यह जटिल विषय है। यों तो युद्ध किसी भी मसले का हल नहीं हो सकता, पर पाकिस्तान के मामले में इसे लेकर अधिक गंभीरता से विचार करने की जरूरत पड़ती है। असल मुद्दा आतंकवाद को समाप्त करना है। वह युद्ध के बाद समाप्त हो जाएगा, इसका दावा नहीं किया जा सकता। फिर, भारत हमेशा से युद्ध का विरोध और शांति का समर्थन करता रहा है, अगर वही पाकिस्तान के खिलाफ इसकी पहल करता है, तो उस पर सवाल उठेंगे। इसलिए सरकार तमाम पहलुओं पर ठंडे दिमाग से विचार कर रही है। एक शांतिप्रिय राष्ट्र से ऐसे ही व्यवहार की उम्मीद भी की जाती है। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि पहलगाम हमले को लेकर भारत सरकार किसी तरह का ढुलमुल रवैया अख्तियार कर रही है। पाकिस्तान से निपटने की रणनीति बनाते समय इस हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि वहां सेना और सियासी हुकूमत समांतर सत्ता हैं। वहां की सेना ने सियासी हुकूमत से ऊपर अपनी सत्ता कायम कर रखी है। वही आतंकवाद को पोसती और भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में उसका इस्तेमाल करती है। जबकि पाकिस्तान की माली हालत इस वक्त बहुत बुरी है, आम अवाम दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है। मगर पाकिस्तानी सेना का उससे कोई मतलब नहीं है, उसका मकसद केवल अपनी सत्ता कायम रखना है। छिपी बात नहीं है कि भारत के खिलाफ आतंकवादी हमले करने वाले संगठनों के सरगना वहां सेना के संरक्षण में पनाह पाए हुए हैं। ऐसे में भारत को कोई भी कदम उठाने से पहले इस पहलू पर भी विचार करना पड़ता है कि चोट ऐसी जगह पड़े, जिससे वहां की सेना और खुफिया एजंसी को ज्यादा नुकसान हो। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

जाति जनगणना को मंजूरी...

केंद्र सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कम से कम दो साल से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। बुधवार को अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल रहेगी। सामान्य जनगणना की घोषणा अभी नहीं हुई, पर जातिगत जनगणना को मंजूरी मिलने से इसके लिए विभिन्न राज्यों में हो रही राजनीति तत्काल थम जाएगी। ध्यान रहे, बिहार और तेलंगाना में जातिगत आंकड़े सामने आ चुके हैं। इन राज्यों ने अपने स्तर पर जातिगत सर्वे को अंजाम दिया है। कुल मिलाकर, अनुभवों से यह समझ लिया गया है कि जातिगत जनगणना से कोई नुकसान नहीं है। आमतौर पर राजनीतिक दलों या समाजशास्त्रियों के पास जो जातिगत आंकड़े हैं, उन्हीं के आसपास नए जातिगत सर्वे के नतीजे आए हैं। अतः अब समग्र जातिगत जनगणना कराने में कोई हर्ज नहीं है। अगर आगामी आम जनगणना के बारे में सोचा जाए, तो जनगणना रिपोर्ट 2031 में सामने आएगी। मतलब, अगर समय पूर्व जनगणना नहीं हुई, तो जनगणना का काम अगली केंद्र सरकार, मतलब 2029 में बनने वाली सरकार के समय ही पूरा हो पाएगा। जनगणना 2021 कोरोना महामारी की वजह से मुमकिन नहीं हो पाई। अतः जनगणना 2031 का अगर इंतजार किया जाए, तो आश्चर्य की बात नहीं है। यह एक बहुत बड़ी कवायद है और अगर इसमें जातिगत गणना को भी शामिल किया जा रहा है, तो काम और भी सावधानी से करना होगा। हजारों जातियां हैं और उनकी हजारों उप- जातियां हैं। सबको अलग-अलग गिनने के लिए देश को अपनी डिजिटल शक्ति का उपयोग करना पड़ेगा। बहरहाल, इस कठिन कार्य को केंद्र सरकार ने स्वीकार करके साहस का परिचय दिया है। सौ साल बाद देश अपने जातिगत आंकड़ों से वाकिफ हो सकेगा। पिछली जातिगत जनगणना साल 1931 में सामने आई थी। अब उन जातियों का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण जरूरी है, जो विकास की दौड़ में पिछड़ गई हैं। ऐसा न हो कि आरक्षण का लाभ केवल कुछ जातियों तक सीमित रह जाए। हम दो राज्यों में यह देख चुके हैं कि जाति के आंकड़ों से समाज में द्वेष फैलने के प्रमाण नहीं मिले। सबको साथ लेकर चलने वाली पार्टी ही चुनावी मैदान में टिक सकती है। कोई संदेह नहीं कि जातिगत आंकड़ों का इस्तेमाल राजनीति में पहले भी होता रहा है, लेकिन अब जो आंकड़े आएंगे, उनका सामाजिक- आर्थिक इस्तेमाल ही ज्यादा होगा। कोई भी आंकड़ा तभी सराहनीय है, जब उससे विकास तेज करने में मदद मिलती हो। जातिगत सर्वेक्षण पिछली जनगणना के समय भी हुआ था, पर कुछ आंतरिक जटिलता या समस्या की वजह से आंकड़ों को जारी नहीं किया गया था। जिसकी वजह से जातिगत जनगणना के मुद्दे पर लगातार राजनीति हो रही थी। इस मोर्चे पर विपक्षी दल केंद्र सरकार की लगातार तीखी आलोचना कर रहे थे। अब आलोचना के बंद होने का समय आ गया है।

जैन सोशयल ग्रुप नॉर्थ ने अक्षय तृतीया पर इक्षु रस का किया वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ के द्वारा सामाजिक कार्यक्रम की श्रंखला में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर ग्रुप संयुक्त सचिव विजय रिद्धि के सौजन्य से राह चलते लोगो को गन्ने का रस वितरण किया गया। इस नेक कार्य के अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष सुनिल सोगानी,सह सचिव विजय जैन,पुर्व अध्यक्ष अभय गंगवाल, कार्यकारणी सदस्य सुनिल बड़जात्या, रमेश पाटनी,संयम जैन,प्रिंस सोगानी, मुनिया सोगानी, रिद्धि जैन, बबिता जैन, भावना जैन, संगीता जैन, उपस्थित थे और रिद्धि जैन को उनके जन्मदिन के उपलक्ष में माला पहनाकर सम्मान भी किया गया।

महावीर इंटरनैशनल रायपुर की बैठक का हुआ आयोजन

बाबेल,सुखलेचा,राव मीणा,चोरड़िया, बरनाला को किया सम्मानित। जल मंदिर, ऑक्सिलेटर मशीन, मरीजों हेतु पलंग का हुआ लोकार्पण

रायपुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल शाखा रायपुर द्वारा महावीर विश्रांति गृह रायपुर में गुरूवार को पीड़ित मानवता की सेवा में एक कदम आगे बढ़ाने हेतु बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संगठन की अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंजू पोखरना थीं, विशिष्ठ अतिथि भामाशाह दीपा सिसोदिया ,प्रधान प्रतिभा सोमानी,कन्हैयालाल बोरदिया रहे, अध्यक्षता शंकर लाल देरासरिया ने की। मंच संचालन राधेश्याम काबरा ने किया। इस अवसर पर श्रेष्ठ सेवा कार्य करने वाले नवीन कुमार बाबेल, चेतन सुखलेचा जयदीप सिंह राव , मनोज मीणा,विकास चोरड़िया, भेरूलाल बरनाला को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्रांति गृह संयोजक रामकुमार सोमानी थला शाखा अध्यक्ष नंदराम कुमावत,विकास चौरडिया, नीतू बैन सूर्या, जयंतीलाल सूर्या, सुशील सूर्या, विनोद सूर्या, सचिव जयदीप सिंह राव,उपाध्यक्ष राधेश्याम काबरा कोषाध्यक्ष चेतन सुखलेचा नवीन कुमार बाबेल आदि उपस्थित थे। सूर्या परिवार ने अपने पूज्य पिताजी की स्मृति में कोशीथल बस स्टैंड पर जल मंदिर, जितेंद्र डांगी,हेमंत कोठारी भीलवाडा ने रायपुर अस्पताल हेतु 1-1 पलंग , केंद्र द्वारा ऑक्सीलेटर मशीन भेट की गई उसका उपस्थित अतिथियों द्वारा लोकार्पण किया गया ।

चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार मुहाना मंडी में अक्षय तृतीया पर्व मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज, जयपुर, पारस विहार-मोहनपुरा, मुहाना एवं आसपास की समस्त कालोनी के साधर्मी बंधुओं की उपस्थिति में शुक्ल पक्ष तृतीया (अक्षय तृतीया) दिनांक 30.4..25 बुधवार को जैन धर्म के प्रथम र्तीथकर श्री आदिनाथ को 13 माह 9 दिवस के बाद राजा श्रेयांस द्वारा इक्षू रस से पारणा कराया गया था। इस पावन दिवस पर पंचामृत अभिषेक, शान्ति धारा करने का सोभाग्य प्रेमलता जी रारा परिवार, दिनेश जी ईसरदा वाला परिवार, पवन कुमार- सरोज,प्रतीक-रुचि, आध्या, मानवी गोदिका परिवार को मिला। मंदिर समिति के अध्यक्ष पवन गोदिका ने बताया कि संजय - शिखा पाटनी, दिनेश - नीरु जी, श्रैयांस जैन, अशोक अजमेरा, मनोज जैन गुलाब बिहार, विरेंद्र-मधु सेठी, सन्तोष- शोभा देवी, सुभाष चंद्र, अनिल गोदिका, शान्ति देवी, धमेन्द्र-मीना गोदिका, दैवांशु-अपूर्वा गोदिका, नरेश- सुमन, धर्मेश-पूजा अजमेरा, की सामुहिक उपस्थिति में सभी साधर्मी बंधुओं ने बड़े हर्षोल्लास के साथ पंचामृत अभिषेक, शान्तिधारा देखकर पुण्य का संचय किया, पवन- सरोज गोदिका परिवार एवं अमिताभ भारिल्ल, शुभम निकुंज परिवार ने इक्षु रस का वितरण किया।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि आखा तीज -- डालो मुक्ति का बीज

स्वयं कृतं कर्म यदात्मना परा फलं तदीयं लभते शुभा शुभम्

अच्छे बुरे कर्म का फल जीव को स्वयं को ही भोगना पड़ता है। राजा हो या रंक, गरीब हो या अमीर, भिखारी हो या सम्राट सबको कर्म ने घेरा है। इसलिए कोई भी कर्म करो तो पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। और कर्म उदय में आ जाये तो समता भाव रखना चाहिए। क्योंकि जिन्दगी में बुरे दिन कभी भी, किसी के भी आ सकते हैं। जिन्दगी में सुख के लम्हें तो हवा की चाल जैसे गुजर जाते हैं मगर दुःख तो जैसे आकर के ठहर ही जाता है इसलिए बुरे के लिये तैयार रहो जैसे कोरोना -- ? किसने सोचा था कि हमारे देश का इतना बुरा वक्त आयेगा-- ? बेटा कभी भी मुख मोड़ सकता है। दोस्त कभी भी धोखा दे सकता है। किस्मत कभी भी रूठ सकती है, दुनिया कभी भी छूट सकती है। जिन्दगी में बहुत थोडे से ही लोग ऐसे हैं जो दुःख और दर्द की कड़क धूप में साया बनकर मदद् करते हैं।* बाकी तो खुदगर्ज होते हैं। इसलिए --दुनिया दारी को छोड़ के अपने,लक्ष्य के पीछे भागते रहो..लोगों का सिर्फ वक्त आता है,आपका दौर आयेगा...!!!

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

महावीर इंटरनैशनल रायपुर की बैठक का हुआ आयोजन

बाबेल,सुखलेचा,राव मीणा,चोरड़िया, बरनाला को किया सम्मानित। जल मंदिर, ऑक्सिलेटर मशीन, मरीजों हेतु पलंग का हुआ लोकार्पण

रायपुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल शाखा रायपुर द्वारा महावीर विश्रांति गृह रायपुर में गुरूवार को पीड़ित मानवता की सेवा में एक कदम आगे बढ़ाने हेतु बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संगठन की अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंजू पोखरना थीं ,विशिष्ठ अतिथि भामाशाह दीपा सिसोदिया ,प्रधान प्रतिभा सोमानी ,कन्हैयालाल बोरदिया रहे ,अध्यक्षता शंकर लाल देरासरिया ने की। मंच संचालन राधेश्याम काबरा ने किया। इस अवसर पर श्रेष्ठ सेवा कार्य करने वाले नवीन कुमार बाबेल, चेतन सुखलेचा जयदीप सिंह राव, मनोज मीणा,विकास चोरड़िया, भेरूलाल बरनाला को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्रांति गृह संयोजक रामकुमार सोमानी थला शाखा अध्यक्ष नंदराम कुमावत,विकास चौरडिया, नीतू बैन सूर्या, जयंतीलाल सूर्या, सुशील सूर्या, विनोद सूर्या, सचिव जयदीप सिंह राव,उपाध्यक्ष राधेश्याम काबरा कोषाध्यक्ष चेतन सुखलेचा नवीन कुमार बाबेल आदि उपस्थित थे। सूर्या परिवार ने अपने पूज्य पिताजी की स्मृति में कोशीथल बस स्टैंड पर जल मंदिर, जितेंद्र डांगी,हेमंत कोठारी भीलवाडा ने रायपुर अस्पताल हेतु 1-1 पलंग , केंद्र द्वारा ऑक्सीलेटर मशीन भेट की गई उसका उपस्थित अतिथियों द्वारा लोकार्पण किया गया ।

कलाकुंज जैन मंदिर में संपन्न हुआ श्री भक्तामर महामंडल विधान

आगरा. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर कलाकुंज में बुधवार को अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर 48 भक्तामर विधान विधवक पूर्ण होने पर वात्सल्य सेवा समिति के तत्वावधान में निष्ठापन के तहत श्री भक्तामर विधान का भव्य आयोजन भक्तिमय संगीत के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ हुआ। संपूर्ण विधान पंडित मयंक जैन एवं दीपक जैन के कुशल निर्देशन में हुआ। विधान में उपस्थित सभी भक्तजनों ने भक्तिभाव के साथ भाव विभोर होकर अष्ट द्रव्यों के साथ श्रीजी के समक्ष अर्घ्य अर्पित किए और पौराणिक ग्रंथ के अनुसार अक्षय तृतीया पर शुभ कार्य करने से अच्छे फल की प्राप्ति होती है जैन दर्शन के अनुसार अक्षय तृतीया के दिन प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव को राजा श्रेयांश ने 6 महीने के लगातार उपवास के बाद गाने के रस का आहार दिया था ऐसी मान्यता है ।इस विधान के उपरांत अध्यक्ष रश्मि जैन ने सभी के सहयोग की सराहना की और सभी भक्तजनों के लिए कार्यक्रम स्थल पर गन्ना के रस का वितरण किया गया। इस मौके पर रविंद्र जैन रिखवचंद्र जैन,दीपचंद जैन,अजय जैन,मुकेश भगत,अक्षत जैन,आगम जैन,राजीव जैन,शुभम जैन,रश्मि जैन,रागिनी जैन,सुनीता जैन,रतिभा जैन,स्वीटी जैन,ममता जैन,पुष्पा जैन कविता जैन,रिंकी जैन,निशा जैन रचना जैन,परिणीता जैन पूजा जैन उपासना जैन,विनीता जैन,मानवी जैन,समस्त कलाकुंज जैन समाज के लोग उपस्थिति रहे।

सुबोध पब्लिक स्कूल, रामबाग में श्रमिक दिवस हर्ष और सम्मान के साथ मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

एक मई को सुबोध पब्लिक स्कूल रामबाग में श्रमिक दिवस का आयोजन कम्युनिटी कॉर्प्स क्लब द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय के सहायक कर्मचारियों के अमूल्य योगदान और अथक प्रयासों को सम्मानित करना था, जो संस्था की नींव हैं। समारोह की शुरूआत एक विचारोत्तेजक वक्तव्य से हुई, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के वैश्विक महत्व को रेखांकित किया गया। इसमें यह भावना प्रमुख रही कि स्वच्छ कक्षाओं, सुव्यवस्थित उद्यानों और स्कूल के निर्बाध संचालन के पीछे सहायक कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है – जिनका कार्य प्रायः

अनदेखा रह जाता है, लेकिन उसका महत्व अपार है। विद्यार्थियों ने समूह गीत, नुक्कड़ नाटक और ऊजार्वान नृत्य प्रस्तुतियों की श्रृंखला के माध्यम से कार्यक्रम को जीवंत कर दिया। ये सभी प्रस्तुतियाँ श्रम की गरिमा, कृतज्ञता और समानता जैसे मूल्यों पर आधारित थीं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सम्मान समारोह रहा, जिसमें सहायक कर्मचारियों को प्रशंसा-चिन्ह प्रदान किए गए। दर्शकों की गर्मजोशी भरी तालियों और कर्मचारियों के चेहरे पर झलकते गर्व व प्रसन्नता ने माहौल को एकता और सम्मान से भर दिया। कार्यक्रम का समापन कन्वीनर आलोक बम्ब और प्रधानाचार्य संजय पाराशर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इसके पश्चात मनोरंजक खेल और स्वादिष्ट जलपान ने आयोजन को सुखद और आनंददायक समापन प्रदान किया। सुबोध पब्लिक स्कूल में श्रमिक दिवस केवल एक स्मृति-दिन नहीं था, बल्कि यह विद्यालय के मूल मूल्यों कृतज्ञता, समावेशिता और सम्मान – की सशक्त अभिव्यक्ति था। इस आयोजन ने विशेष रूप से विद्यार्थियों में समुदाय के प्रत्येक योगदानकर्ता के प्रति गहरी सराहना और सम्मान की भावना उत्पन्न की।

महावीर इन्टरनेशनल एसोसिएशन, जयपुर

द्विवार्षिक चुनाव : 2025-27

टीम आदर्श

वोट बदलाव के लिये • पारदर्शिता के लिये • अस्तित्व के लिये

VOTE

कार्यकारिणी सदस्य पद हेतु

सेवा को समर्पित टीम को अपना मत एवं समर्थन देकर विजयी बनावें

बैलेट नं. 1

अरुण कुमार बैराठी
पूर्व मुख्य सचिव खादी कॉलोनी वेलफेयर सोसायटी
बजाज नगर, जयपुर

बैलेट नं. 2

इंजी.अशोक कुमार खण्डेलवाल
रिटायर्ड चीफ इंजीनियर विद्युत विभाग,
पूर्व सचिव : राजस्थान पावर इंजीनियर एसोसिएशन

बैलेट नं. 3

डॉ.अशोक कुमार माथुर
रिटायर्ड प्रमुख विशेषज्ञ
जयपुरिया हॉस्पिटल

बैलेट नं. 5

बसंत जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा
पूर्व सदस्य देव स्थान विभाग ट्रस्ट राज. सरकार

बैलेट नं. 6

कमलेश खण्डेलवाल
अध्यक्ष : श्री बलराम सत्संग मण्डल ट्रस्ट जयपुर
महामंत्री : सिद्ध समाधी योग, जयपुर

बैलेट नं. 7

कृष्णपाल धीर
पूर्व मुख्य प्रबन्धक भारतीय स्टेट बैंक
पूर्व अध्यक्ष कन्ज़ूमर एक्शन नेटवर्क सोसायटी (केन्स)

बैलेट नं. 12

पीयूष जैन
अध्यक्ष : जैन सोश्यल ग्रुप, ग्लोरी
अध्यक्ष : लायन्स क्लब जयपुर आकाशदीप

बैलेट नं. 15

ईजी. प्रेम चन्द छाबड़ा
संरक्षक : अणुव्रत समिति, जयपुर
पूर्व मंत्री : महावीर इन्टरनेशनल ऐसोसिएशन, जयपुर

बैलेट नं. 16

राकेश गोदिका जैन
संपादक : शाबाश इण्डिया समाचार पत्र
अध्यक्ष : सोशल एण्ड़ ब्लड एड सोसायटी जयपुर

बैलेट नं. 17

डॉ. रामलाल प्रजापत
जिला अध्यक्ष : सेवा भारती जयपुर
पूर्व कार्य. सदस्य महावीर इन्ट. ऐसोसिएशन, जयपुर

बैलेट नं. 18

रमेश चन्द गुप्ता
सचिव : राधा-कृष्ण मन्दिर ट्रस्ट
कार्य. सदस्य : जनता कॉलोनी विकास संस्थान

बैलेट नं. 20

डॉ. शान्ती लाल जैन
रिटा. प्रोफेसर राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
पूर्व अध्यक्ष : टैक्स कन्सलटेन्ट एसोसिएशन

VOTE &
SUPORT
टीम
आदर्श

बैलेट नं. 27

एडवोकेट विनीत जैन
उपाध्यक्ष : जैन सोश्यल ग्रुप, ग्लोरी
पूर्व संयुक्त सचिव : जैन सोश्यल ग्रुप, पर्ल

रविवार, दिनांक 4 मई, 2025
समय प्रात: 9.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक
स्थान : महावीर इन्टरनेशनल एसोसिएशन भवन
एस-10, जनता कॉलोनी, जयपुर

मतदान हेतु मतदाता अपना फोटो युक्त मूल पहचान पत्र पेनकार्ड/ड्राईविंग लाईसेंस/आधार कार्ड/पासपोर्ट एवं मतदाता पहचान पत्र अनिवार्य रूप से अवश्य साथ लावें। इसके अभाव में मतदान सम्भव नहीं होगा।

अक्षय तृतीया पर आदिनाथ विधान किया व गन्ने का रस वितरण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर श्री दिगंबर जैन पार्श्वनाथ चैत्यालय बापू नगर में दिगम्बर जैन महिला मंडल बापू नगर द्वारा आदिनाथ विधान पूजन का आयोजन किया गया । महिला मंडल की अध्यक्षा सुरीला सेठी ने बताया कि प्रातः 6.30 बजे भगवान आदिनाथ जी की प्रतिमा के अभिषेक शांतिधारा व भक्तामर पाठ किया गया । प्रातः 8 बजे से आदिनाथ विधान पूजन आयोजित की गई। मंडल की सचिव रेणु लुहाड़िया व सह सचिव राज कुमारी अजमेरा ने बताया कि विधान पूजन में 50 से अधिक महिलाओं ने भागीदारी कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। प्रमिला कासलीवाल ने अपनी मधुर आवाज से सभी को खूब भक्ति भाव से पूजन कराई । अंजू लुहाड़िया व शकुन बाकीवाला के अनुसार अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर सभी श्रावकों को इक्षु रस (गन्ने का रस)मंडल की सदस्या श्रीमती सरोज कटारिया धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री इंद्र चंद्र कटारिया परिवार के सहयोग से पिलाया गया जिसका लगभग 400 से अधिक धर्मावलंबियों ने लाभ उठाया। कमलेश बाकलीवाल ने श्रीमती सरोज कटारिया का उनके द्वारा किए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। बीना बूचरा ने मंदिर समिति द्वारा दी गईं सुंदर व्यवस्थाओं के लिए समिति का आभार व्यक्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

अक्षय तृतीया पर कराया इक्षु रस का पान

बारां. शाबाश इंडिया। चन्द्रकला सेठी ने बताया कि श्री दिगम्बर जैन महासमिति संभाग बारां द्वारा विभिन्न सेवा कार्य किये गए। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ललिता टोंग्या के अनुसार आज दिनांक 30 अप्रेल को अक्षय तृतीया के महा पर्व पर सभी धर्मावलम्बियों को दिगम्बर जैन जोड़ला मन्दिर चौमुखा बाजार पर सभी आने जाने वालों को गन्ने का रस सस्नेह पिलाया गया। सचिव सरला जैन ने बताया कि यह शुभ कार्यक्रम अद्विक सेठी सुपौत्र अध्यक्ष चन्द्रकला अशोक सेठी के 9वे जन्म दिवस के मंगलमय अवसर पर किया गया। संभाग द्वारा इसी अवसर पर सब्जी मंडी स्थित पुलिस चौकी पर मूक पक्षियों के लिए शीतल जल के परांडे लगाए गए। युवा प्रकोष्ठ मंत्री रानी नोपडा ने बताया कि इसी पर्व पर संस्था द्वारा गौशाला में चारा भी खिलाया गया। संस्था की सरिता बड़जात्या, कुसुम बज, श्वेता गंगवाल, संगीता बड़जात्या,कोषाध्यक्ष चन्द्रकला पाटनी, शकुंतला गोधा, विनोद गोधा सभी का पूर्ण सहयोग रहा। कुसुम बज व शकुंतला गोधा ने अक्षय तृतीया पर दान की महत्ता पर प्रकाश डाला। समाज प्रबुद्ध सभी महिला पुरुषो ने अपनी भागीदारी निभाई। मनोज नोपडा,शिखर चन्द जैन व अशोक सेठी ने सभी कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग प्रदान किया अंत मे सरला जैन द्वारा सभी का आगन्तुको का धन्यवाद प्रेषित किया गया।

JSG Jain Social Groups
जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ जयपुर

श्री अनुज-श्रीमती सपना गोदिका

कार्यकारिणी सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ जयपुर

2 मई ' 25

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: सुनील सोगानी, **आई पी पी:** राहुल जैन
संस्थापक अध्यक्ष: मनीष झांझरी
पूर्व अध्यक्ष: अभय गंगवाल, **पूर्व अध्यक्ष:** संजय जैन
उपाध्यक्ष: सुकेश काला, **सचिव:** अजय जैन
संयुक्त सचिव: विजय जैन, **कोषाध्यक्ष:** संजय गोधा

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ, जयपुर

44 दिवसीय कल्याण मंदिर विधान के ऐतिहासिक महानुष्ठान का हुआ भव्य समापन

श्री जी की निकली पालकी यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

44 दिवसीय कल्याण मंदिर विधान के ऐतिहासिक महानुष्ठान के समापन पर श्री जी पालकी में सवार होकर नगर भ्रमण को निकले 44वें दिवस अक्षय तृतीया को भक्ति भाव से हुई पूजा अर्चना व श्री जी का ईक्षुरस से अभिषेक और विश्व शांति हेतु महाहवन किया गया। मन्दिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कमल दीवान ने बताया कि परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महाराज के अंतिम दीक्षित शिष्य उपाध्यक्ष 108 श्री उर्जयंत सागरजी मुनिराज की प्रेरणा एवं सानिध्य में जयपुर में प्रथम बार सम्पन्न हुई एतिहासिक 44 दिवसीय कल्याण मंदिर विधान महानुष्ठान के 44वें दिवस समापन पर विधान में सम्मिलित होने परम पूज्य 108 जयकीर्तिजी मुनिराज का आगमन प्रातः मन्दिर जी में हुआ। परम पूज्य 108 उपाध्याय श्री उर्जयन्त सागरजी मुनिराज से मिलन हुआ। दोनों मुनिराजो के पावन सानिध्य में महाअतिशयकारी देवाधिदेव 1008 पार्श्वनाथ भगवान की खडगासन प्रतिमा का मस्तकाभिषेक, शांति धारा के पश्चात आदीनाथ भगवान की पालकी यात्रा में श्रावकों ने भक्ति भावना से नाचते गाते जयकारो के साथ नगर भ्रमण कराकर मंदिरजी में ईक्षुरस से अभिषेक कर अक्षय तृतीया पर्व मनाया गया। इसके पश्चात सर्वविघ्नोंपद्रव विनाशक, सर्व रोग शोक संकट हराए, सर्व तुष्टि पुष्टि कराए, सर्व आदि व्याधि दोष ग्रह निवारक कल्याण मंदिर विधान के अंतिम दिन विधान पुजा भक्ति भाव से नाचते गाते आनन्द पुर्वक सम्पन्न हुई। इसके उपरांत विश्व शांति की मंगल भावना से महाहवन किया गया। मन्दिर प्रबंध समिति के मंत्री संजय गोधा ने बताया कि आज के विधान के मुख्य पुण्यार्जक श्रीमती सुलोचना, जयकुमार, श्रीमती प्रियांशी, यशवर्धन श्रीमती यशोधरा, नीलेश, सुश्री इनायतजी जैन कोटावाले परिवार एवं रुपेन्द्र, ज्ञानेश छाबड़ा परिवार रहे। विधान की क्रियाएं पंडित पारस सौगाणी ने करवाई। संयोजक महेश छाबड़ा ने बताया इस अवसर पर मुनि श्री जयकीर्तिजी मुनिराज ने गुरु पर विश्वास व समर्पण के जीवन में महत्व और उपयोगिता को सरल भाषा में समझाया। विधान में कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक रुपेन्द्र (अशोक) छाबड़ा ने बताया की परम पूज्य उपाध्याय श्री ने अपने प्रवचनों में कल्याण मंदिर विधान कि महिमा और अक्षय तृतीया पर्व के महत्व बताते हुये सभी श्रावकों से अतिशयकारी भगवान पार्श्वनाथ के नियमित दर्शन अभिषेक पूजन करने का आव्हान किया। विधान में कार्यक्रम संयोजक संतोष छाबड़ा व अनंत कासलीवाल ने आगंतुकों का तिलक लगा माला पहनाकर सम्मान किया। मंदिर प्रबंध समिति के उपमंत्री रवि पांड्या ने बताया कि ए वी एस फाउंडेशन जयपुर के पदाधिकारियों के पुर्ण व सहयोग से कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन सम्पन्न हुआ।

उपाध्याय उर्जयन्त सागर ने किया बेगस जैन मंदिर के 14वें वार्षिक मेले की पत्रिका का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर शहर के पश्चिमोत्तर क्षेत्र में स्थित अतिशयकारी देवाधिदेव 1008 श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, बेगस के 4 मई को होने वाले 14वें वार्षिक मेले की पत्रिका का विमोचन खवास जी का रास्ता स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विराजमान पूज्य उपाध्याय 108 श्री उर्जयन्त सागर महाराज ने किया। कार्यकारिणी सदस्य जयकुमार जैन-बड़जात्या ने बताया कि विमोचन के अवसर पर मंदिर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष पूनम चन्द ठोलिया एवं महामंत्री सुरेश छाबड़ा मौजूद रहे। आजीवन संरक्षक चेतन कुमार छाबड़ा ने बेगस मंदिर की महिमा बताते हुए कहा कि 466 वर्ष से अधिक प्राचीन यह मंदिर ऐतिहासिक धरोहर है जिसकी सार-संभाल करने में पूरा जयपुर जैन समाज जुटा हुआ है। कार्यकारिणी सदस्य बड़जात्या ने अवगत कराया कि वार्षिक मेले के ध्वजारोहणकर्ता श्रेष्टि श्रीमती सुमन लता, प्रदीप-खुशबू जैन सिनोदिया परिवार हैं तथा सौधर्म इंद्र श्रेष्टि चेतन कुमार-श्रीमती रेखा छाबड़ा होंगे। ज्ञातव्य है कि हर वर्ष की भांति इस बार भी जयपुर शहर के विभिन्न जैन मंदिरों से श्रद्धालुओं के आने के लिए बसों की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। वार्षिक मेले के अवसर पर अभिषेक, शांति धारा और संगीतमय शांतिनाथ विधान मंडल पूजन सहित भक्ति रस की गंगा बहेगी।

रोटरी बिजनेस कनैक्ट मीट संपन्न

जयपुर. शाबाा इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा रोटरी बिजनेस कनेक्ट का आयोजन हाल ही में कांस्ट्यूशनल क्लब में आयोजित किया गया ।क्लब अध्यक्ष दिनेश जैन बज ने बताया की क्लब के सदस्यों में व्यवसायिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के शुरूआत में इंट्रोडक्शन के साथ साथ एक व्हॉटसअप बिजनेस ग्रुप भी लांच किया गया जिसके माध्यम से सदस्य एक दूसरे से व्यापारिक आवश्यकता की पूर्ति कर सके। इस अवसर पर दिव्यांश मंगल ने ए आई का किस तरह बिजनेस में उपयोग किया जाए उस पर संबोधन दिया। CA अमित पूर्णिमा जैन ने फाइनेंसियल एवं प्रो. रमेश अरोड़ा द्वारा टाइम मैनेजमेंट पर ज्ञानवर्धक संबोधन दिया ।बिजनेस कनेक्ट के चीफ कॉर्डिनेटर संदीप जैन ने बताया की समारोह स्थल पर सदस्यों की स्टाल और स्टैंडी भी लगायी गई जहाँ सदस्यों ने अपने प्रोडक्ट का डिस्प्ले किया। क्लब सचिव नरेंद्र मित्तल ने बताया कि समारोह की मुख्य अतिथि प्रान्तपाल राखी गुप्ता थी उन्होंने अपने उद्बोधन में रोटरी कनेक्ट की भूरी भूरी सराहना की। कोषाध्यक्ष नीरज काला ने बताया कि समारोह का संचालन सौरभ जैन व प्रीति सक्सेना ने किया।

श्री मुनिसुब्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भव्य वेदी प्रतिष्ठा के पोस्टर का विमोचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री मुनिसुब्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मांग्यावास , मानसरोवर एक्सटेंशन मे आगामी 2 मई से 4 मई 2025 तक भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। मन्दिर प्रबंध समिति के सचिव दिनेश गंगवाल के अनुसार आज मन्दिर जी प्रांगण में वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर मन्दिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन उपाध्यक्ष सुधीर गौधा, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार सेठी व प्रबंध समिति के समस्त पदाधिकारी व समाज के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। महिला मण्डल की अध्यक्ष शर्मिला जैन व सचिव बबीता गौधा ने बताया की 2 मई को समाज की सभी महिलाएं ड्रेस कोड में रथ व घट यात्रा मे सम्मिलित होगी। महोत्सव के मीडिया प्रभारी जिनेश कुमार जैन बताया कि सभी कार्यक्रम चोपड़ा पेराडाइज, मांग्यावास मे आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम प्रतिष्ठाचार्य विमल कुमार जी जैन बनेठा वालों के निर्देशन में 2 मई को झण्डारोहण व घट यात्रा से महामहोत्सव का शुभारंभ होगा। दिनांक 3 मई को याग मण्डल विधान पुजन सहित अन्य मांगलिक कार्य किए जाएंगे। रात्रि में इन्द्र सभा का आयोजन किया जाएगा। दिनांक 4 मई को विश्व शांति हेतु महानुष्ठान करने के पश्चात सभी जिन प्रतिमाओं को नव वेदियों पर विराजमान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य राजनेताओं व समाज के अनेकों गणमान्य व्यक्तियों की भी उपस्थिति रहैगी।

अक्षय तृतीया की अक्षय भीड़ के बीच

गणाचार्य विराग सागर जी के पट्ट पर पट्टाचार्य के रूप में प्रतिष्ठित हुए आचार्य विशुद्धसागरजी

श्रावक श्रेष्ठ महोत्सव पुण्यार्जक सपना-मनीष गोधा को मिली आचार्यश्री की पिच्छी

सुमति धाम से राजेन्द्र जैन महावीर
सनावद की रिपोर्ट

इन्दौर। इन्दौर नगर के इतिहास में 30 अप्रैल 2025 अक्षय तृतीया अक्षय रूप से दर्ज हो गई। समाधि सम्राट, बुन्देलखण्ड के प्रथमाचार्य, गणाचार्य विरागसागर जी महाराज के अंतिम आदेश से इस युग के अध्यात्म योगी, शताब्दी देशनाकार, श्रमणाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज सुमति धाम, गोधा एस्टेट इन्दौर में प्रातः 8.30 बजे संघ के पट्टाचार्य के रूप में विराजमान हुए। सुमति धाम देशना मण्डप में व मंडप के बाहर परिसर में लाखों श्रद्धालुओं ने पट्टाचार्य विशुद्धसागर के जयकारों से आकाश गुंजायमान कर दिया। सम्पूर्ण विधि-विधान, मंत्रोच्चार, गायन, वादन, शंख ध्वनि, राजशाही देशना मण्डप में एक दिगम्बर आचार्य अपने गुरु के पट्ट को सुशोभित कर रहे थे, जब सम्पूर्ण विश्व के साथ 12 दिगम्बर आचार्य, 8 उपाध्याय 140 दिगम्बर मुनि १ गणिनी आर्यिका, 123 आर्यिका माताजी, 105 ऐलक, क्षुल्लक , क्षुल्लिका, ब्रहमचारी भैया-बहनें, विद्वत वर्ग इस महा महोत्सव, महाकुंभ श्रमण परम्परा के साक्षी बने।

सपना-मनीष गोधा के पुण्य की सर्वत्र चर्चा

पट्टाचार्य महामहोत्सव महाकुंभ के आयोजक सुमति धाम गुरु भक्त परिवार के शिरोमणि संरक्षक सपना-मनीष गोधा द्वारा किये गए आयोजन की सम्पूर्ण इन्दौर व विश्व के जैन समाज में चर्चा हो रही है ।400 संतों का भरपूर आशीर्वाद और लाखों समाजजनों की शुभकामनाओं के साथ सब एक ही बात कर रहे है, सपना-मनीष गोधा ने गजब कर दिया। अनेक जन्मों के पुण्य के संचय से यह महान अवसर मिलता है। पट्टाचार्य पद पर विराजित होने के बाद विशुद्ध सागर जी महाराज ने मनीष-सपना गोधा परिवार को अपनी मयूर पिच्छी भेंटकर उनके पुण्य को अतिशय कर दिया। मनीष-सपना गोधा परिवार ने पिच्छी को लेकर नृत्य किये, सम्पूर्ण जन समुदाय ने ताली बजाकर मनीष-सपना गोधा को शुभकामना दी।

अपने जीवन में ऐसा अद्भुद आयोजन पहली बार देखा: कैलाश विजयवर्गीय

मध्यप्रदेश शासन के केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मनीष- सपना गोधा ने अद्भुद कार्य किया है, मेरे पचास वर्ष के राजनीतिक जीवन में ऐसा आयोजन नहीं देखा। यह उनकी माँ के संस्कार ही है , जिनके बच्चे इतना बड़ा कार्य करते हो। पट्टभिषेक आयोजन के सन्दर्भ में विजयवर्गीय ने कहा कि आज देवी अहिल्या की नगरी धन्य हो गई, इंदौर गौरवान्वित हो गया।

विराग भगवन को शत बार नमन

मंगल गायन ब्रहमचारिणी बहनों द्वारा किये गए। सुमधुर मंगलाचरण मुनि श्री यशोधर सागर द्वारा किये गए मंगलाचरण से प्रारंभ पट्टाचार्य महोत्सव में गोधा परिवार के बेटियों द्वारा पट्ट शुद्धि की गई। प्रतिष्ठाचार्य धर्मचंद शास्त्री, प .चन्द्रकांत जी इण्डी, प .नितिन झांझरी के मंत्रोच्चार के बीच तमिलनाडु, कर्नाटक महाराष्ट्र के दिगम्बर जैन मठ से आए भट्टारक स्वामीजी ने पट्ट शुद्धि की । दीप प्रज्वलन आखिल भारतीय शास्त्री परिषद अध्यक्ष पं. श्रेयांस जैन व पथरिया, रूर, आदि अनेक स्थानों से आए गुरु भक्तों ने किया। परम्परा के पूवाचार्य श्री आदि सागर जी अंकलीकर ,श्री महावीर कीर्तिजी, श्री विमल सागरजी, श्री सन्मति सागरजी, श्री विरागसागर जी को अर्ध समर्पित किये गए।

गणाचार्य जी के अंतिम विडियो सन्देश का हुआ प्रसारण

गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज जिनकी समाथि 4 जुलाई 2024 को हुई थी, उन्होंने अपनी समाधि निकट जानकर 3 जुलाई 2024 को एक विडियो संदेश रिकार्ड कराकर अपना पद आचार्य विशुद्ध सागर जी को देने का आदेश दिया था, उस विडियो का प्रसारण जब हुआ तो जन समुदाय के साथ आचार्य विशुद्धसागर जी की आंखों से आंसूओं का झरना बह निकला गुरु के प्रति भक्ति व स्नेह के इस दृश्य ने सबको मार्मिक बना दिया। आचार्यश्री पुष्पदंत सागर जी महाराज ने गणाचार्य के अंतिम संदेश का वाचन भी किया। मूल संघ के गणधर मुनिविवर्धनसागर जी महाराज ने गणाचार्य विराग सागरजी की समाधि का जीवन्त दृश्य उपस्थित कराया। प्रवर्तक मुनि श्री विश्वनायक जी ने समाधि को श्रमण संस्कृति का अनुपम उदाहरण बताया, पट्टाचार्य पद का अनुमोदन भी किया। सपना - मनीष गोधा ने नवीन सिहांसन पट्ट पर चौक पूरा, सभी भट्टारक जी ने चंवर से भक्ति की सम्पूर्ण देश में विराजित आचार्यो, मुनिराजों ने आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के लिए अपनी शुभकामनाएँ, प्रशस्ति पत्र, पिच्छी, अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से पहुँचा कर अपना अनुमोदन किया।

पट्टाचार्य विशुद्ध सागरजी का पाद प्रक्षालन

समस्त आचार्यो, मुनिराजों, आर्यिका जी ने किया। पट्ट पर विराजित पट्टाचार्य विशुद्धसागर जी महाराज का आशीर्वाद लेने की होड़ लग गई। सभी ने उनके पाद प्रक्षालन किये, शास्त्र भेंट किये। इस अवसर पर उनके गृहस्थ अवस्था के परिजन सुरेंद्र -विजय जैन रूर भिण्ड से सम्मिलित हुए। आचार्य पुष्पदंत सागर जी महाराज ने अपनी ओर से प्रशस्ति भेंट की। केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय आशा विजयवर्गीय ने अपने जन्म दिन पर आशीर्वाद ग्रहण किया। गणाचार्य विरागसागर जी महाराज जिस सिहांसन पर बैठते थे उस सिहांसन पर पट्टाचार्यश्री विशुद्ध सागर जी महाराज को ठीक 10 बजकर 20 मिनिट पर

बिठाया गया।

गुरु आशीष, अभ्यास, विधि कभी नहीं छोड़े

आचार्य विशुद्धसागर पट्टाचार्य पद से विभूषित होने के बाद श्री विशुद्धसागर महाराज ने कहा कि सबने मिलकर बिठाया है, सबको मिलकर चलाना है ।जिस प्रकार पानी की बूंद बीज पर गिरती है तो मिट्टी से अंकुरण होता है, गुरू आशीष की बूंद से वैराग्य का बीज प्रस्फुटित होता है ।जीवन में गुरु आशीष, विधि, अभ्यास कभी नहीं छोड़ना चाहिये। समस्त आचार्यो, पूवार्चार्यो के नामोल्लेख कर उन्होंने कहा कि सभी मुनि पूज्य है, तीन कम नौ करोड़ मुनिराजों को मैं नमस्कार करता हूँ। मेरा मन है कि आज यहाँ 400 पिच्छी एकत्रित है कभी 1600 पिछी एक साथ आ जाए। सिद्धवरकूट नर्मदा रेवा तट, उज्जैन क्षिप्रा तट के बीच बसा इंदौर महातीर्थ है ।आज उत्तर-दक्षिण एक दिख रहा है। यह सम्पूर्ण विश्व एक हो ऐसी मेरी इच्छा है ।सुमतिनाथ भगवान ने एक वर्ष में ही 400 पिच्छाधारी संतों को यहाँ बुला लिया, यह गगन चुम्बी जिनालय अद्भुद है। पट्टाचार्य महोत्सव का संचालन आचार्य श्री विनम्र सागर जी व मुनिश्री सुव्रत सागर जी महाराज ने किया। अनेक ग्रंथों का विमोचन किया गया। अद्भुत व्यवस्थाओं ,अनुपम भक्ति, अपार जन समुदाय के बीच सपना मनीष गोधा , सुमति धाम गुरु भक्त परिवार ने आयोजन को जो ऊंचाईया प्रदान की वो भूतो न भविष्यति रही।

संस्कार के साथ कलात्मक शिक्षा का माध्यम बन गया समर कैंप: डा शालनी जैन

समर कैंप के समापन पर बहनों व बच्चों को किया पुरस्कृत

समर कैंप जैसे आयोजन होते रहना चाहिए : विजय धुर्रा

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

सुभाष गंज में श्री विद्यासागर सर्वोदय पाठशाला द्वारा आयोजित आठ दिवसीय समर कैंप का सम्मान जिला पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन की जीवन संगनी डॉ शालनी जैन के मुख्य आतिथ्य एवं जिला पंचायत सीईओ राजेश जैन की जीवन संगनी श्री मति जैन के विशेष अतिथ्य जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल की अध्यक्षता में संपन्न हुई जहां वच्चो के व शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया समारोह के प्रारंभ में जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि गमीर्यों में इतनी बड़ी संख्या में समर कैंप में वच्चो की उपस्थिति उनके उत्साह से लगता है कि दीदीयो ने बहुत मेहनत की होगी जव वच्चे स्कूल से फ्री हो गये समर कैंप उन्हें और भी उपयोगी रहा और इस कैंप का हम आज श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी की ओर पुरस्कृत करके सभी का मनोबल बढ़ाने आये है इस तरह के कैंप होते रहना चाहिए

अतिथियों का किया सत्कार के साथ हुआ शुभारंभ

समापन समारोह के प्रारंभ मंगल गान पाठशाला की बहनों द्वारा किया गया इस दौरान विभिन्न कलाओं में पारंगत वच्चो द्वारा अपने हाथो से तैयार वस्तुओ का ग्रुप वाई ग्रुप मंच के समक्ष तालीयो की गड़गड़ाहट के बीच प्रस्तुत किया गया इस दौरान सभी वच्चो के साथ सिखाने वाले बहनों को मुख्य अतिथि डा शालनी जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद तीर्थ क्षेत्र कमेटी उपाध्यक्ष विपिन सिंघई पाठशाला कमेटी के कोषाध्यक्ष प्रसन्न मोदी गोशाला कमेटी अध्यक्ष दिनेश मोदपुर हेमंत टडैया सतीश राजपुर दारा गंज पाठशाला की मुस्कान दीदी सौम्या जैन साक्षी जैन अंशिका जैन तनु जैन पूनम अखाई दृष्टि जैन सुधा दीदी कांत दीदी कुसुम दीदी का सम्मानित किया।

प्रतिभाओ को मौका मिले तो वे अपने हुनर का प्रदर्शन कर देती है : डा शालनी जैन

इस दौरान मुख्य अतिथि डा शालनी जैन ने कहा कि पाठ शाला संस्कारित शिक्षा का ससक्त माध्यम है बहुत छोटी उम्र में ही वच्चे पाठशाला के माध्यम से संस्कारो को प्राप्त कर लेते हैं ये संस्कारित शिक्षा जीवन के अंतिम समय तक काम आती है इस तरह की कैंपो से वच्चो को एक मंच मिलता है जिसकी उन्हें कल्पना तक नहीं होगी। समर कैंप के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभिन्न विषयों प्रतिभागियों के साथ प्रतिभा वान वच्चो को जैन समाज व पाठशाला परिवार द्वारा सम्मानित किया इसके साथ ही साथ आर्ट एंड क्राफ्ट एम्ब्रोइड बैंड बीट्स, टिश्यू आर्ट,एयर डाई क्ले आर्ट,मोटर स्किल्स (ब्रेन बूस्टिंग गेम) के साथ ही नृत्य कला को प्रदर्शित करने वाले वच्चो को पुरस्कृत किया साथ ही शान्ति नगर गांव मन्दिर पार्श्वनाथ मन्दिर पाठशाला की बहनों को अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह आचार्य श्री के चित्र पीत वस्त्र के साथ पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया।

रूवा एवं श्री भवानी निकेतन महिला पी.जी. महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में लैंगिक संवेदनशीलता कार्यशाला का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री भवानी निकेतन महिला पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संघ (रूवा) के सहयोग से, रूवा के स्वर्ण जयंती वर्ष (2024-2025) के अवसर पर एक दिवसीय लैंगिक संवेदनशीलता जागरूकता कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मीना राठौड़, क्दअउ प्रमुख डॉ. ममता तंवर, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की सदस्य शैलजा मीनोचा एवं आमंत्रित रूवा प्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यशाला में रूवा अध्यक्ष डॉ. शशिलता पुरी, उपाध्यक्ष डॉ. बीना अग्रवाल, लाइफ मेंबर मेजर मीता सिंह तथा संयुक्त सचिव डॉ. प्रिया ने लिंग भूमिकाएँ, लिंग पूर्वाग्रह एवं लैंगिक संवेदनशीलता जैसे समसामयिक विषयों पर विचारोत्तेजक व्याख्यान प्रस्तुत किए। उन्होंने विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के साथ संवादात्मक सत्रों में भाग लेते हुए महिला हेल्पलाइन, कानूनी सहायता प्रणाली तथा लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करने वाले उपायों की विस्तृत जानकारी साझा की। अपने संबोधन में डॉ. शशिलता पुरी ने रूवा द्वारा संचालित जेंडर जागरूकता कार्यक्रमों तथा महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र की भूमिका को रेखांकित किया। कार्यशाला के दौरान शॉर्ट फिल्मों एवं समूह चर्चाओं के माध्यम से पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक पूर्वाग्रह, और लैंगिक भेदभाव के सामाजिक प्रभावों पर गहन चर्चा की गई। इस संवादात्मक प्रक्रिया ने प्रतिभागियों को आत्ममंथन के लिए प्रेरित किया और संवेदनशील, समावेशी एवं जागरूक शैक्षणिक वातावरण के निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका को प्रोत्साहित किया। यह कार्यशाला छात्राओं के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के साथ-साथ उन्हें लैंगिक समानता के प्रति अधिक सजग, उत्तरदायी और समर्थ नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करने में भी सफल रही।

अक्षय तृतीया वर्षीतप पारणा महोत्सव संपन्न, 44 तपस्वियों का हुआ बहुमान, इक्षु रस से करवाए पारणें

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ,अजमेर एवं श्री प्राज्ञ जैन संस्था, अजमेर की ओर से बुधवार 30 अप्रैल 2025 को परम पूज्य संघनायक प्रियदर्शन मुनि आदि ठाणा एवं साध्वी प्रमुखा श्री कमल प्रभा जी मा.सा. आदि ठाना की पावन निश्रा में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर ह्लवर्षीतप पारणा महोत्सवह्व श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। तप महोत्सव में वर्षभर तपस्या करने वाले 44 आराधकों का अजमेर संघ, परिवारजनों एवं समाजबंधुओं ने बहुमान किया। समिति की ओर से सभी तप आराधकों को इक्षु रस पिलाकर उनके पारणे करवाए। महावीर भवन पंडाल के सामने, बी. के. कौल नगर, अजमेर में आयोजित इस कार्यक्रम में शहर सहित देशभर से बड़ी संख्या में जैन समाज के लोगों ने शिरकत की। पारणा महोत्सव के पावन अवसर पर प्रातः 9:00 बजे संघनायक ओजस्वी वक्ता, संवर प्रेरक परम पूज्य प्रियदर्शन मुनि म.सा. ने प्रवचन में अपने मुखारबिंद से तपस्वियों के वर्षीतप की अनुमोदना करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया। सर्वप्रथम प्रवचन सभा में गुरूदेव ने फरमाया कि प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव भगवान ने आज के दिन 13 महीने 10 दिन उपवास रखा, दीक्षा लेने के बाद और राजकुमार श्रेयांश द्वारा निर्दोष आहार के रूप में इक्षु रस पिलाकर उपवास खोला। इसलिए अक्षय तृतीया पर वर्षी तप का पारणा का विधान है ।उदाहरण देते हुए समझाया कि इक्षु में जहाँ गाँठ होती है वहाँ रस नहीं होता और जहाँ रस होता है वहाँ गाँठ नहीं होता उसी प्रकार जहाँ मिठास होती है वहाँ कटुता नहीं होती और जहाँ कटुता होती है वहाँ मिठास नहीं होती.. !! जिन शासन पर निर्मल श्रद्धा हो तभी तपस्या के भाव बनते है ।तप से शरीर व आत्मा दोनों की शुद्धि होती है वही तप के साथ संवर जुड़ता है तो आत्मा की विशेष शुद्धि होती है, इसलिए तपस्या शरीर की अपेक्षा आत्म लक्ष्य के लिए ही कि जाना चाहिए ।तप की महिमा बताते हुए पूज्य संघनायकश्री ने सभी को आगामी वर्षीतप के लिये प्रेरणा प्रदान की ।समारोह में स्वर्गीय श्री गुमान सिंह जी कर्णावट को मृत्युपरांत प्राज्ञ रत्न के सम्मान से नवाजा गया, यह सम्मान श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन नानक श्रावक समिति द्वारा संघ सेवा में समर्पणा हेतु प्रदान किया गया। सभी परिवारजनों का आभार व्यक्त किया गया। समारोह गौरव दर्शना दिलीप जी मेहता विजयनगर रहे, समारोह की अध्यक्षता पुखराज मेहता विजयनगर, मुख्य अतिथि अजित मेहता पूर्व विधायक टोंक विशिष्ट अतिथि नीरज जैन उपमहापौर अजमेर का भी संघ द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। पारणा महोत्सव को लेकर तपस्वियों सहित श्रावक श्राविकाओं में इतनी भीषण गर्मी में भी खासा उत्साह का माहौल देखा गया। कार्यक्रम में वर्षीतप करने वाले साधकों का श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ,अजमेर एवं श्री प्राज्ञ जैन संस्था, अजमेर की ओर से अभिनंदन किया गया। इसके बाद उपस्थित परिजनों एवं नाते रिश्तेदारों ने भी तपस्वियों का उत्साह के साथ बहुमान कर तपस्या की अनुमोदना की और तपस्वियों को इक्षु रस से पारणें करवाए गए। उपस्थित श्रावक श्राविकाओं एवं गणमान्य लोगों के लिए वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया। जिसमें सभी ने गौतम प्रसाद ग्रहण किया। महोत्सव के मौके पर,श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अजमेर एवं श्री प्राज्ञ जैन संस्था, अजमेर सहित श्री स्वाध्याय महिला मंडल, श्री प्राज्ञ जैन युवा मंडल, श्री प्राज्ञ महिला मंडल, श्री प्राज्ञ बहु बालिका मंडल आदि के पदाधिकारी तथा सदस्यगणों का विशेष सहयोग रहा।श्री श्वे. स्था. जैन नानक श्रावक समिति, अ.भा. श्री प्राज्ञ जैन युवा मण्डल, अ. भा. प्राज्ञ महिला समिति-मण्डल के पदाधिकारियों सहित कार्यक्रम में अजमेर के अलावा दिल्ली, चेन्नई, मुंबई, जयपुर, बिजयनगर, किशनगढ़, अरांई, ब्यावर,मसूदा, बांदनवाड़ा, नसीराबाद, केकड़ी, भीलवाड़ा, कंवलियास, सरेड़ी, गुलाबपुरा, शाहपुरा,आसींद, टीकावड़ा, पुष्कर,थांवला,पाली, बदनौर,भीम सहित आदि कई क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएँ उपस्थित रहे ।।

श्री नेमि गिरनार धर्म पद यात्रा का डबरा में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

मनोज जैन नायक.शाबाश इंडिया

डबरा। जैन विश्व संगठन द्वारा आयोजित दिल्ली से 23 मार्च 2025 को आरंभ होकर 22वें जैन तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान के मोक्षकल्याणक के अवसर पर 2 जुलाई को नेमि मोक्षस्थल ऊर्जयंत गिरनार पहुंचने वाली नेमि गिरनार धर्म पद यात्रा का डबरा में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। सेंट मेरी स्कूल से धर्म पद यात्रा का शुभारंभ होकर लगभग 5 किमी चलकर डबरा के मुख्य बाजारों से होते हुए धर्म पद यात्रा श्री महावीर जैन मंदिर जी में विशाल जन समूह के साथ पहुंची। यात्रा में सभी लोग भगवान महावीर के अमर संदेश जियो और जीने दो, जीवों पर दया करो, चलो चलो गिरनार चलो और भगवान नेमीनाथ के जयकारे लगा रहे थे। जैन मंदिर जी में पद यात्रा के पहुंचने पर

अहिंसा रथ पर विराजमान श्री नेमिनाथ भगवान की प्रतिमा का अभिषेक, शांतिधारा और पूजन किया गया तत्पश्चात मंदिर जी प्रांगण में धर्म सभा का आयोजन किया गया। धर्म सभा को विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और धर्म पद यात्रा का नेतृत्व कर रहे संजय जैन, पद यात्रा के कॉर्डिनेटर अंचल जैन, ललितपुर और मंदिर प्रबंधक समितियों और विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों और समाज के गणमान्यों ने संबोधित किया। धर्म सभा में नेमीनाथ भगवान के मोक्षकल्याणक दिवस पर 2 जुलाई 2025 को नेमि मोक्षस्थल गिरनार जी जिला जूनागढ़ गुजरात वंदना करने के लिए बस ले जाने प्रस्तावित किया गया और सभी ने धर्म पद यात्रा की अनुमोदना करते हुए पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया। सकल जैन समाज डबरा की महिलाएँ पुरुष बच्चे पदयात्रा में शामिल हुए एव धर्म ध्वज लेकर एक तरफ महिलाएँ एक तरफ पुरुष धर्म ध्वज को पकड़ कर पदयात्रा में चलते हुए नजर आये। श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेंद्र जैन, मंत्री विजय जैन, मनोज जैन एकान्त, रितेश जैन राजू कपडे वाले, प्रेमचंद जैन एसबीआई, कोमल चंद चौधरी ने विश्व जैन संगठन के अध्यक्ष संजय जैन, आंचल जैन का स्वागत सम्मान श्रीफल एव शॉल से किया ।गिरनार यात्रा में सकल जैन समाज ने भरपुर योगदान दिया एव उत्साह पूर्वक सम्मिलित हुए। जैन मिलन स्वतंत्र डबरा ने धर्म सभा के पश्चात सभी लोगों को गन्ने के रस का वितरित कर सभी को अक्षय तृतीया पर्व की एक दूसरे को बधाईयां दी ।दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, जैन मिलन, जैन मिलन महिला डबरा, जैन मिलन आदर्श डबरा, बहुमंडल, चंद्र प्रभु महिला मंडल आदि सभी सहयोगी संस्थाओं ने पदयात्रा में सम्मिलित होकर धर्म लाभ लिया।

सन्मति व राजधानी ग्रुप ने श्रमण संस्कृति छात्रावास में छात्रों को भोजन करवाया

स्वर्गीय श्री लालूलाल जी गोदिका एवं स्वर्गीय श्रीमती श्यामा देवी गोदिका की पुण्य तिथि पर किया कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के संयुक्त तत्वावधान में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर छात्रावास में रह रहे छात्रों को सायंकाल भोजन करवाया गया। राजधानी ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुनील - आरती पहाड़िया तथा सचिव राजेन्द्र-आशा संघी ने बताया कि यह आयोजन स्वर्गीय श्री लालूलाल जी गोदिका एवं स्वर्गीय श्रीमती श्यामा देवी गोदिका की पुण्य तिथि पर किया गया था। सन्मति ग्रुप के अध्यक्ष मनीष - शोभना लोग्या तथा सचिव राजेश - रानी पाटनी ने बताया कि श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान (बालक छात्रावास) सांगानेर पर 153 बालकों को वात्सल्य भोज राजेश - अंजना गोदिका, दिनेश - मीतू गोदिका तथा सन्मति ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष व राजधानी ग्रुप के सलाहकार राकेश-समता गोदिका के सौजन्य से करवाया गया। इस अवसर पर राजधानी ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुनील-आरती पहाडिया, सचिव राजेन्द्र-आशा संघी, कार्यकारिणी सदस्य रमेश बीना जैन, राकेश-रेणु संघी, राकेश- समता गोदिका, अश्वनी - मधु गोधा, सन्मति ग्रुप अध्यक्ष मनीष शोभना लोग्या, सचिव राजेश - रानी पाटनी, अनिल - प्रेमा रावका, कुसुम - राजेंद्र पाटनी , मीतू गोदिका एवं अन्य सदस्यो ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाकर पुण्य प्राप्त किया।